Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. असहयोग आन्दोलन का मुख्य कारण क्या था —

(अ) चौरी-चौरा की घटना
(ब) प्रथम विश्वयुद्ध
(स) रॉलेट एक्ट
(द) खिलाफत आन्दोलन

2. चौरी-चौरा काण्ड किस वर्ष हुआ—

(अ) सन् 1922 में
(ब) सन् 1924 में
(स) सन् 1925 में
(द) सन् 1930 में

3. भारतीय संविधान कब लागू किया गया—

(अ) 14 अगस्त
(ब) 26 जनवरी
(स) 10 दिसम्बर
(द) 15 अगस्त

4. जनवरी 1920 में कौन-सा आंदोलन शुरू हुआ?

(अ) सविनय अवज्ञा आंदोलन
ब) असहयोग खिलाफत आंदोलन
(स) उग्र गुरिल्ला आंदोलन
(द) सत्याग्रह आंदोलन

5. दिल्ली में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना कब / किस वर्ष की गई?

(अ) सन् 1921 में
(ब) सन् 1920 में
(स) सन् 1915 में
(द) सन् 1929 में

6. मातृभूमि की स्तुति के रूप में वंदे मातरम् लिखा—

(अ) बंकिम चंद्र चटर्जी
(ब) अवनींद्रनाथ टैगोर
(स) मुहम्मद इकबाल
(द) रवीन्द्रनाथ टैगोर

7. जलियाँवाला बाग काण्ड में गोलियाँ किसने चलवायीं—

(अ) माउण्टबेटन
(ब) जनरल डायर
(स) लॉर्ड इरविन
(द) लॉर्ड डलहौजी

8. गोरखपुर स्थित चौरी-चौरा में बाजार से गुजर रहा एक शांतिपूर्ण जुलूस बदल गया—

(अ) इनमें से कोई नहीं
(ब) अंग्रेजों के साथ हिंसक टकराव में
(स) उन्हीं के अपने हिंसक टकराव में
(द) पुलिस के साथ हिंसक टकराव में

9. उग्र गुरिल्ला आंदोलन की शुरूआत किस वर्ष में हुई?

(अ) 1925 में
(ब) 1890 में
(स) 1910 में
(द) 1920 में

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. भारत माता की पहली बार तस्वीर बनाई—

(अ) जवाहरलाल नेहरू ने
(ब) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने
(स) अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने
(द) बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने

रिक्त स्थान :

11. साइमन कमीशन में _____ पहुँचा था।

12. जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड _____ हुआ।

सत्य / असत्य

13. महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन 1930 में वापस लिया।

14. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 ई. में हुई।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. अवध के किसानों का नेतृत्व कौन कर कर रहा था?

16. पूना पैक्ट किनके बीच हुआ था ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे?

18. 'प्रथम विश्वयुद्ध' ने एक नई आर्थिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी। समीक्षा कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. महात्मा गांधी के सत्याग्रह पर एक निबन्ध लिखिए।

20. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए —

I. चौरी-चौरा की घटना।

II. गांधीजी की दाण्डी यात्रा।

HOTS

21. गांधीजी द्वारा शुरू किए गए असहयोग आंदोलन की रणनीति केवल ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध विरोध नहीं थी, बल्कि यह भारतीय समाज को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने का भी एक प्रयास था। इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।"

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) रॉलेट एक्ट।
2. (अ) सन् 1922 में।
3. (ब) 26 जनवरी।
4. (ब) जनवरी 1920 में गाँधी जी के नेतृत्व में असहयोग खिलाफत आंदोलन शुरू किया गया।
5. (द) सन् 1929 में दिल्ली शहर में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना की गई थी।
6. (अ) वंदेमातरम्' राष्ट्रीय गीत बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा लिखा गया। यह भारतीय सम्मान का प्रतीक माना जाता है।
7. (ब) जनरल डायर।
8. (द) शांतिपूर्ण जुलूस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया। इस हिंसक घटना के पश्चात महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन को रोकने का आह्वान किया।
9. (द) वर्ष 1920 के दशक में उग्र गुरिल्ला आंदोलन की शुरूआत हुई।
10. (द) बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने भारत माता की पहली बार तस्वीर बनाई। भारत माता की तस्वीर पहली बार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बनायीं। 1870 में मातृभूमि की स्तुति के रूप में "वन्दे मातरम" गीत लिखा था।
11. **रिक्त स्थान :** 1928 में
12. **रिक्त स्थान :** 13 अप्रैल 1919 में
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. अवध में किसानों का नेतृत्व बाबा रामचंद्र ने किया।
16. पूना पैक्ट गाँधी जी और डा. अम्बेडकर के बीच हुआ था।
17. साइमन आयोग सात ब्रिटिश सांसदो का समूह था, जिसका गठन 1927 में भारत में संविधान सुधारों के अध्ययन के लिये किया गया था। इसे साइमन आयोग (कमीशन) इसके अध्यक्ष सर जोन साइमन के नाम पर कहा जाता है। इस कानून का विरोध करते हुये देश में कई हड़तालें, जूलूस और प्रदर्शन हुए।

इस एक्ट ने सरकार को इस तरह के लोगों को मुकदमे के बिना 2 साल तक गिरफ्तार करने के लिए अधिकृत किया।

i. यह एक काला कानून था।
ii. इस कानून के अंतर्गत किसी को लंबे समय तक जेल में डाला जा सकता था।
iii. विश्व युद्ध के बाद इसे खत्म करना था पर सर्कार ने इसे बनाए रखा। इसका विरोध आम जनाता ने किया।

18. "'प्रथम विश्वयुद्ध' ने एक नई आर्थिक व राजनीतिक स्थिति पैदा कर दी।" इस कथन की समीक्षा के बिंदु इस प्रकार है—

प्रथम विश्व युद्ध के उपरांत स्वराज देने का वचन नकार दिया गया।

आर्थिक स्थिति दयनीय - बेरोजगारी व बेकरी से मजदूर, शिल्पकार आदि सभी ग्रसित थे।

युद्ध ने राष्ट्रीयता के भाव जागृत किए । लोग दमनकारी सरकार के विरुद्ध एकजुट हुए।

19. . 'सत्याग्रह' जन-आन्दोलन की एक नवीन विधा थी, जो सत्य की शक्ति पर जोर देती है और सत्य की खोज को प्राथमिकता देती है। इसका अर्थ है कि यदि आपका उद्देश्य सच्चा है और आप अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं, तो आपको उत्पीड़क का सामना करने के लिए शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं है। सत्याग्रह केवल अहिंसा के माध्यम से अपने संघर्ष में सफल हो सकता है, प्रतिशोध या आक्रामकता के बिना। इसका मुख्य उद्देश्य दमनकारी शत्रु की चेतना को झकझोरना है।

महात्मा गांधी ने मार्च 1920 में एक घोषणा-पत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने सत्याग्रह पर आधारित अहिंसक असहयोग आन्दोलन की शुरुआत की। इसके अतिरिक्त, अन्य तीन प्रमुख सत्याग्रह आन्दोलन थे: चम्पारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह, और अहमदाबाद मिल मजदूरों का समर्थन ।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

गांधीजी इस सत्याग्रह की नवीन परिपाटी के प्रमुख प्रणेता थे। उन्होंने लोगों से स्वदेशी सिद्धान्त और गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया, जिसमें चरखे का प्रयोग, सूत कातना, और छुआछूत को समाप्त करने का आग्रह शामिल था।

20. I. चौरी-चौरा की घटना —

चौरी-चौरा, उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के निकट स्थित एक कस्बा है, जहां 4 फरवरी, 1922 को भारतीयों ने ब्रिटिश सरकार की एक पुलिस चौकी को आग लगा दी थी। इस घटना में 22 पुलिसकर्मी जिन्दा जल गए, जिसे चौरी-चौरा काण्ड के नाम से जाना जाता है। इस हिंसक घटना के परिणामस्वरूप गांधीजी ने यह निर्णय लिया कि असहयोग आन्दोलन अब उपयुक्त नहीं रह गया है और उन्होंने इसे वापस लेने की घोषणा की। गांधीजी का यह निर्णय कई लोगों, विशेषकर क्रान्तिकारियों, को उचित नहीं लगा और उन्होंने इसके विरोध में स्वर उठाए। कांग्रेस के गया अधिवेशन में रामप्रसाद बिस्मिल और उनके सहयोगियों ने गांधीजी के इस निर्णय का प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों रूपों में विरोध किया।

ii. गांधीजी की दाण्डी यात्रा —

सविनय अवज्ञा आन्दोलन का प्रारम्भ गांधीजी की ऐतिहासिक 'दाण्डी यात्रा' से हुआ। इस यात्रा में गांधीजी और गुजरात विद्यापीठ के 78 सदस्यों ने भाग लिया। 12 मार्च, 1930 को गांधीजी ने साबरमती आश्रम से दाण्डी के लिए प्रस्थान किया। 240 मील की दूरी उन्होंने 24 दिन में पैदल तय की।

रास्ते में हजारों नर-नारियों ने सत्याग्रह दस्ते का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। सरदार पटेल की गिरफ्तारी और उन्हें दी गई सजा ने जनता को भड़का दिया। 'बॉम्बे क्रानिकल' ने इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान के दृश्य को "उत्साहपूर्ण, शानदार और जीवन फूंकने वाले" बताया और इसे भारत की राष्ट्रीय

स्वतंत्रता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में दर्शाया।

गांधीजी 5 अप्रैल, 1930 को दाण्डी पहुँचे और 6 अप्रैल को आत्मशुद्धि के बाद नमक कानून का उल्लंघन किया। इस कार्यवाही को डॉ. विपिनचन्द्र ने इस तरह से वर्णित किया: "यह भारतीय जनता द्वारा ब्रिटिश शासन के बनाए गए कानूनों के तहत रहने से इनकार का प्रतीक था।"

21. असहयोग आंदोलन का उद्देश्य केवल अंग्रेजों का बहिष्कार नहीं था, बल्कि स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों की स्थापना, और भारतीयों में आत्म-सम्मान का विकास भी था।यह आंदोलन भारतीय समाज को राजनीतिक रूप से शिक्षित और संगठित करने की दिशा में एक कदम था।गांधीजी का उद्देश्य था कि जनता खुद पर विश्वास करना सीखे और अंग्रेजों की मदद के बिना देश का निर्माण करे।आंदोलन के माध्यम से लोगों में राजनीतिक चेतना और एकता की भावना भी विकसित हुई।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App